हिन्दुत्व ही विश्व को एक सूत्र में पिरोने का मार्ग : भागवत

सुभाष शर्मा/फरीदाबाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघाचालक डा. मोहन राव भागवत ने कहा है कि हिंदुत्व ही समस्त विश्व को एक सूत्र में पिरोने का मार्ग है, विविधता में एकता का आधार है। हिन्दू जागृति व संगठन से ही भारत तथा विश्व का कल्याण होगा, हिन्दू जगे तो विश्व जगेगा। विश्व कल्याण के लिए हिन्दू संगठन व जागरण अति आवश्यक है, हमें सभी आपसी मतभेद भुलाकर अखंड हिन्दू राष्ट्र का संकल्प लेना है। श्री भावगत रविवार को सेक्टर-16 के दशहरा मैदान में संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चीन का जन सामान्य भारत को अपना सांस्कृतिक गुरु मानता है परन्तु चीनी सरकार का रवैया पूर्णतया साम्राज्यवादी व भारत विरोधी ही रहा है, हिन्दू दर्शन व वसुधैव कुटुम्बकम की हमारी अवधारणा के विपरीत रहा है। हमारे लिए दुनिया बाजार नहीं बल्कि हमारा कुटुंब है परन्तु चीन की नीयत साफ़ नहीं है उसने हमारी जमीन पर कब्ज़ा किया हुआ है, तिब्बत को हड़प रखा है, हमारे कई क्षेत्रों में वह अपना अधिकार जताता है। देश की सीमाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे देश की सीमायें सुरक्षित नहीं हैं, हमारी सीमाओं पर जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, आसाम आदि अनेक रास्तों से घुसपैठ हो रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ बार-बार दोस्ती का हाथ बढ़ाये जाने के बावजूद पाकिस्तान हमारे देश में आतंकवादी भेज रहा है, सुरक्षा एजेंसियों व राज्यपालों की रपट पर भी सरकार ध्यान नहीं दे रही है इसकी वजह से असम में भयंकर हिंसा जैसे परिणाम सामने आते हैं परन्तु आसाम का हिन्दू अब जागृत होने लगा है और वह बंगलादेशी घुसपैठियों को पहचानने लगा है। खुदरा व्यापार में एफ.डी.आई. का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि जिन-जिन देशों में यह लागू हुआ उनका अनुभव हमारी सरकार की सोच के विपरीत है, यह हमारी अर्थ व्यवस्था के लिए किसी भी प्रकार से उपयुक्त नहीं है, भारत को इसकी आवश्यकता ही नहीं है। उन्होंने सरकार को चेताया कि वह

▶ शेष पृष्ठ 11 पर

■ हमें सभी आपसी मतभेद भुलाकर अखंड हिन्दू राष्ट्र का संकल्प लेना होगा : दुनिया बाजार नहीं बल्कि हमारा कुटुम्ब है परन्तु चीन की नीयत साफ नहीं: देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं